कक्षा 8

पाठ 6 परिवर्तन

मौखिक प्रश्नों के उत्तर

(क) बाबूजी को ले आने की बात पर बच्चों ने क्या कहा ?

उत्तर- बाबूजी को ले आने की बात पर बच्चों ने "ओह नो" कहकर अपनी असहमति प्रकट की। बच्चे नहीं चाहते थे कि बाबूजी जल्दी वापस आए ।

(ख) प्रसाद जी ने किस बात पर बाबूजी को पुराने जमाने का कहा था ?

उत्तर- बाबू जी अपनी पुत्री के यहां गए हुए थे किंतु पिता का पुत्री के यहां इतने लंबे समय तक रहना बाबूजी को उचित नहीं लगता था। प्रसाद जी ने इसी बात पर बाबूजी को पुराने जमाने का कहा था।

(ग) प्रसाद जी ने बाबूजी को किसके घर भेज दिया था ?

उत्तर- प्रसाद जी ने बाबूजी को अपनी छोटी बहन माया के घर भेज दिया था।

(घ) माया के पति ने क्या सूचना दी ?

उत्तर- माया के पति ने सूचना दी कि बाबूजी तो कब से ही अपने गांव के घर में रहने चले गए थे।

(ङ) गांव में बाबूजी के साथ कौन रहता था ?

उत्तर- गांव में बाबूजी के साथ किसना और उसकी पत्नी रहते थे।

लिखित प्रश्नों के उत्तर

(क) प्रसाद जी स्वयं को असहाय क्यों अनुभव कर रहे थे ?

उत्तर- बच्चों की परीक्षाएं खत्म होने पर प्रसाद जी ने बच्चों और पत्नी के सामने जब बाबूजी को वापस ले आने की बात कही तो बच्चों के साथ-साथ उनकी पत्नी ने भी बाबूजी को इतना जल्दी ना लाने की बात कही। शांत स्वभाव के बाबूजी भीन उन्हें अपनी आजादी में बाधा लगते थे। पत्नी

और बच्चों के बाबूजी के प्रति ऐसे विचार जानकर प्रसाद जी दुखी हो गए और वह स्वयं को असहाय अनुभव कर रहे थे।

(ख) बाबूजी के रहने की व्यवस्था किस कमरे में की गई थी । उसमें क्या असुविधा थी ?

उत्तर- बाबूजी के रहने की व्यवस्था हॉल में की गई थी। बाबूजी का सारा सामान वही रखा गया था। सुबह नौकर के आने तक उनका सामान बिखरा रहता था। हॉल में अलग से टॉयलेट नहीं था। बाबूजी को बुढ़ापे के कारण रात में कई बार टॉयलेट जाना पड़ता था तब उन्हें पप्पू के कमरे का आश्रय लेना पड़ता था। इस वजह से कई बार बाबूजी को असुविधा होती थी।

(ग) माया से किस अप्रत्याशित घटना को सुनकर प्रसाद जी गुमसुम हो गए थे ?

उत्तर - जब माया ने यह बताया कि उसने बाबूजी को जाने से बहुत रोका और जब वह नहीं माने तो अंत में मजबूर होकर उसने बच्चों की परीक्षा के बारे में उन्हें बताया। यह जानने के बाद बाबूजी पल भर भी यहां रुकने को राजी नहीं हुए। बाबू जी ने कहा ईश्वर की कृपा से अभी मेरा घर सलामत है मुझे वहीं छोड़ आओ। यह घटना सुनकर प्रसाद जी गुमसुम रहने लगे।

(घ) बाबूजी ने गांव में रहने का निर्णय क्यों लिया ?

उत्तर - जब बाबूजी को यह मालूम चला कि बच्चों की परीक्षा के कारण प्रसाद जी ने उन्हें अपनी छोटी बहन के घर रहने के लिए भेज दिया तो उन्हें इस बात का एहसास हो गया कि उनके साथ में रहने से बेटे तथा उसके परिवार को परेशानी हो रही है। बाबूजी को इस बात से दुख हुआ कि परिवार में उनकी उपस्थिति अनचाही तथा सम्मानहीन है। इसलिए बाबूजी ने गांव में रहने का निर्णय लिया।

(ङ) 'मेरा मानसिक संबल है यह ' बाबूजी के इन शब्दों में जीवन की सच्चाई छिपी थी। अपने विचार लिखिए।

उत्तर- आधुनिक समय के परिवारों में बड़े बुजुर्गों का समुचित सम्मान नहीं होता है। परिवार के सदस्य उन्हें अपनी स्वतंत्रता में बाधक समझते हैं। बूढ़े माता-पिता अपने पूरे जीवनकाल में बच्चों के लिए क्या कुछ नहीं करते किंतु अंत में उनके ही बच्चे उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाकर उन्हें पराया कर देते हैं। स्वार्थी बच्चों के साथ रहने की बजाय वे अपने खुद के बनाए आशियाने में स्वाभिमान के साथ रहकर अधिक खुश हो सकते हैं। यही वर्तमान जीवन की सच्चाई है।

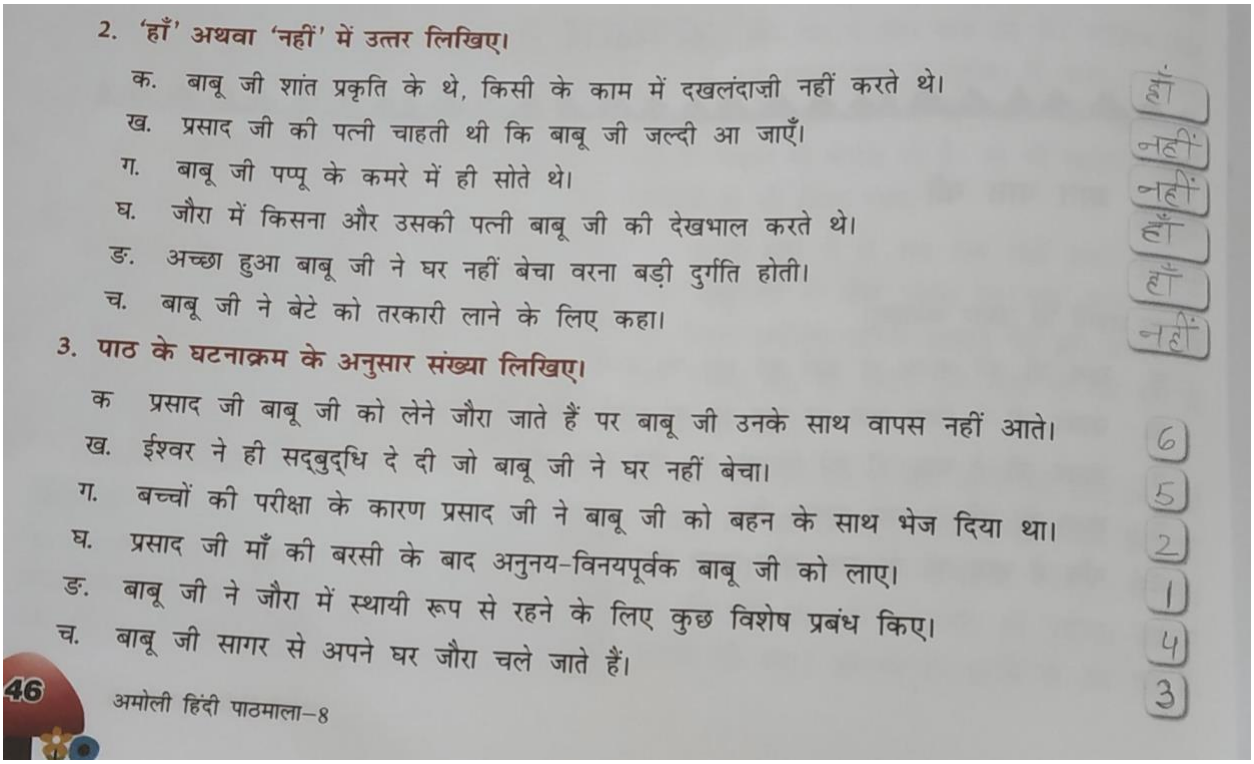

2. 'हाँ' अथवा 'नहीं' में उत्तर लिखिए।

क. बाबू जी शांत प्रकृति के थे, किसी के काम में दखलंदाज़ी नहीं करते थे।

ख. प्रसाद जी की पत्नी चाहती थी कि बाबू जी जल्दी आ जाएँ।

ग. बाबू जी पप्पू के कमरे में ही सोते थे।

घ. जौरा में किसना और उसकी पत्नी बाबू जी की देखभाल करते थे।

ङ. अच्छा हुआ बाबू जी ने घर नहीं बेचा वरना बड़ी दुर्गति होती।

च. बाबू जी ने बेटे को तरकारी लाने के लिए कहा।

3. पाठ के घटनाक्रम के अनुसार संख्या लिखिए।

क प्रसाद जी बाबू जी को लेने जौरा जाते हैं पर बाबू जी उनके साथ वापस नहीं आते।

ख. ईश्वर ने ही सद्‌बुद्‌धि दे दी जो बाबू जी ने घर नहीं बेचा।

ग. बच्चों की परीक्षा के कारण प्रसाद जी ने बाबू जी को बहन के साथ भेज दिया था।

घ. प्रसाद जी माँ की बरसी के बाद अनुनय-विनयपूर्वक बाबू जी को लाए।

ङ. बाबू जी ने जौरा में स्थायी रूप से रहने के लिए कुछ विशेष प्रबंध किए।

च. बाबू जी सागर से अपने घर जौरा चले जाते हैं।

बात भाषा की

Language Skills

1. इस कहानी में अंग्रेज़ी तथा उर्दू के बहुत-से शब्दों का प्रयोग हुआ है। पाठ में से उन्हें ढूँढ़कर लिखिए।

अंग्रेज़ी – हॉल, एक्सप्रेस, कोरस

उर्दू – फ़ज़ीहत, मशगूल, सलामत, इतमीनान

2. उदाहरण के अनुसार कीजिए।

क.	बेटा-बेटी	– बेटा और बेटी	ख.	खाने-पीने	– खाने और पीने
ग.	सास-ससुर	– सास और ससुर	घ.	हँसने-बोलने	– हँसने और बोलने
ङ.	दादा-दादी	– दादा और दादी	च.	आठ-दस	– आठ और दस
छ.	हाथ-मुँह	– हाथ और मुह	ज.	बड़े-बुजुर्ग	– बड़े और बुजुर्ग
झ.	शनिवार-इतवार	– शनिवार और इतवार	ञ.	भाई-बहन	– भाई और बहन

3. ध्यान से पढ़िए–

- **क्या सोच रहे थे आप?**
- **इस शनिवार-इतवार को सागर जाकर बाबू जी को ले आता।**
- **नहीं, इतनी जल्दी नहीं लाओ।**

तीनों वाक्यों के अर्थ पर ध्यान दीजिए। पहले वाक्य में प्रश्न पूछा जा रहा है, दूसरा वाक्य सीधा अर्थ दे रहा है और तीसरे वाक्य में निषेध (नहीं) का भाव है। इस आधार पर इन तीनों को क्रमशः **प्रश्नवाचक, विधानवाचक, निषेधवाचक** वाक्य कहा जाएगा।

नीचे लिखे वाक्यों को अर्थ के आधार पर पहचानकर लिखिए।

क. बाबू जी बहुत शांत प्रकृति के व्यक्ति हैं। – विधानवाचक

ख. इधर-उधर दखलंदाज़ी करने की आदत भी नहीं है। – निषेधवाचक

ग. क्या इसी हफ़्ते जाना बहुत ज़रूरी है? – प्रश्नवाचक

घ. साल भर तक बाबू जी वहाँ से हिलने के लिए राज़ी नहीं हुए। – निषेधवाचक

ङ. माया के पति सुरेश ने फ़ोन उठाया। – विधानवाचक

4. शब्द-परिवार–एक ही शब्द में आगे-पीछे शब्दांश जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं। लेकिन मूल शब्द एक ही रहता है।

दिए गए शब्दों का परिवार लिखिए।

क.	भाग्य –	सौभाग्य	दुर्भाग्य	भाग्यहीन
ख.	कर्म –	सुकर्म	दुष्कर्म	कर्महीन
ग.	स्थित –	सुस्थित	अवस्थित	स्थितिहीन
घ.	जीव –	सजीव	दुर्जीव	निर्जीव
ङ.	अवस्था –	सुअवस्था	दुर्वस्था	अवस्थाहीन
च.	अर्थ –	सार्थसहित	कुअर्थ	अर्थहीन

5. अर्थ की भिन्नता को ध्यान में रखते हुए वाक्य बनाइए।

क.	अभी	तुम अभी पढ़ने बैठो।
	अभी-अभी	बाबूजी अभी-अभी बाजार से आए हैं।
ख.	साथ	हम सब साथ रहते हैं।
	साथ-साथ	हम सब साथ-साथ स्कूल जाते हैं।
ग.	अपना	अपना स्कूल इंदौर में है।
	अपना-अपना	सब अपना-अपना सामान उठाओ।
घ.	कहते	भारत में रहने वाले को भारतीय भी कहते हैं।
	कहते-कहते	बाबूजी कहते-कहते रुक गए।